Nai Dunia (Indore), 05th November 2015, Page – 02

एक लाख पौधों से हरा-भरा होगा आईआईटी कैम्पस

वन विभाग विकसित करेगा अत्याधुनिक नर्सरी

सालभर किसी भी मौसम के पौधे किए जा सकेंगे तैयार

रामकृष्ण मुले >> इंदौर

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी इंदौर का कैम्पस सिमरोल में बन रहा है। इसे हरा-भरा करने का जिम्मा वन विभाग को मिला है। जहां करीब एक लाख पौधे विकसित किए जाएंगे। दो एकड़ भूमि पर प्रथम चरण में 40 लाख रुपए खर्च होंगे। इसके लिए पहले हाइटेक रोपणी विकसित की जाएगी। इसमें किसी भी मौसम के पौधे सालभर में कभी भी तैयार किए जा सकेंगे। प्रोजेक्ट में पाली हाउस, ग्रीन हाउस और स्प्रिंग सिस्टम बनाया जाएगा।

आईआईटी के लिए वन विभाग ने नियमानुसार भूमि उपलब्ध कराई थी। इसके बाद तय मापदंड के आधार पर केम्पस को हरा-भरा करने की रूपरेखा बनाई गई है।

परिसर में तैयार की जा रही उन्नत नर्सरी में उन प्रजातियों के पौधों को तैयार किया जाएगा, जिनकी प्रजातियों में लगातार कमी आ रही है। इसमें वन रक्षक नाका, आवास भवन, कार्यालय, बिल्डिंग, सिंचाई के लिए टैंक आदि का निर्माण भी होगा। इस पर होने वाले खर्च की राशि आईआईटी द्वारा वन विभाग को उपलब्ध कराई जाएगी। **-नप्र**

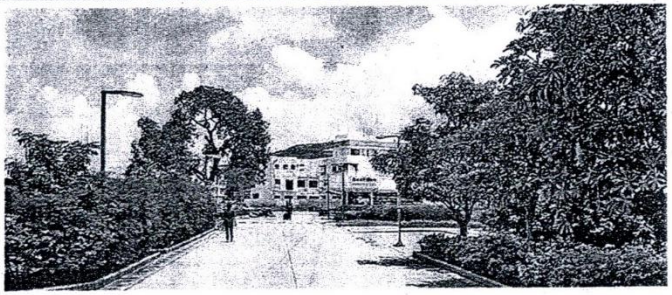

नियमानुसार दो एकड़ में होगी रोपणी

वन विभाग ने जो भूमि आईआईटी को उपलब्ध कराई थी उसमें से नियमानुसार दो एकड़ भूमि को रोपणी के लिए विकसित किया जाएगा। इस पर खर्च होने वाली राशि आईआईटी प्रबंधन द्वारा दी जाएगी। प्रोजेक्ट बनकर तैयार है जल्द ही इसे अंतिम रूप दिया जाएगा।

-आरएन सक्सेना, एसडीओ वन विभाग

किस पर कितना खर्च

- निर्माण स्ट्रक्चर पर 13 लाख 20 हजार।
- वनरक्षक नाका व आवास भवन पर 8 लाख।
- ग्रीन हाउस पर 4 लाख 40 हजार।
- ओवरहेड टैंक निर्माण पर 1 लाख 20 हजार।
- रोपणी में रोड निर्माण पर 1 लाख 50 हजार।

दुर्लभ प्रजातियों के पौधे होंगे तैयार

नर्सरी में देशभर में पाई जाने वाली विभिन्न प्रजातियों के पौधे तैयार किए जा सकेंगे। इसमें कई प्रजातियां ऐसी होंगी, जो दुर्लभ किस्म की होंगी। ऐसे पौधे भी तैयार किए जाएंगे, जिनकी मांग हमेशा बनी रहती है। मुख्य रूप से इसमें केसिया, अमलतास, गुलमोहर, करंज, शीशम, सीताफल, चिरोल, अर्जुन आदि की विभिन्न किस्म विकसित करने की योजना है।